Date
Page

Class I.Com XII
Subject. EPS
Topic - Entrepreneurial Environment
Lecture — 05
Prepared by Dr C P Sahu
Marwari College Darbhanga.

उधमशीलता वातावरण :- ①

साहसी बाजार क्षेत्रों के अलावा सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक तथा अन्तर्राष्ट्रीय क्षेत्रों की सूचना एवं पूर्वानुमान करता है। यह उधमी व्यूहरचना कर्ता को तथा उधमी योजनाओं एवं व्यूहरचनाओं के निर्माण में सहायता प्रदान करता है।

उधमशील वातावरण की प्रकृति :- उधमता तथा वातावरण के बीच एक विशिष्ट सम्बन्ध पाया है इसे निम्नलिखित बातों से स्पष्ट कर सकते हैं :-

(1) आन्तरिक एवं बाह्य वातावरण :- उद्योग के अन्तर्गत आन्तरिक एवं बाह्य दोनों प्रकार का वातावरण रहता है। उधमी अपनी आन्तरिक वातावरण पर प्रायः नियंत्रण कर लेता है लेकिन इसे बहुत अधिक प्रभावित नहीं कर पाता है जबकि बाह्य वातावरण पर उधमी का कोई नियंत्रण नहीं रहता जिससे उधमी को बाह्य वातावरण के अनुरूप अपने आपको ढालना ही पड़ता है।

(2) परस्पर निर्भर घटक - उधमशील कार्य का वातावरण गतिशील घटकों से बनता है। ये घटक आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक, भौगोलिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, तकनीकी इत्यादि प्रकृति के होते हैं।

(3) घटकों के प्रति उत्तरदायी - उधमी वातावरण के सभी घटकों के प्रति उत्तरदायी होता है। यह नागरिक समुदाय, उपभोक्ताओं, कर्मचारियों, विनियोजकों, प्रतिस्पर्द्धी संस्थाओं, सरकारी व्यवस्था एवं अर्थव्यवस्था इत्यादि सभी के लिए उत्तरदायी होता है।

(4) निरन्तर सम्पर्क — उधमी को अपने वातावरण से निरन्तर सम्पर्क बनाये रखना है। इसके लिए द्विमार्गीय संचार

Scanned with CamScanner

की व्यवस्था करता है। इससे वातावरण में हो रहे परि-वर्तनों की जानकारी मिलती रहती है। जिससे नवीनतम उत्पादों एवं सेवाओं की जानकारी वातावरण को उपलब्ध करा पाता है।

(5) गतिशील वातावरण- प्रत्येक उद्यमिता अथवा उद्यमशील क्रिया का एक गतिशील वातावरण होता है। एक उद्यमी को अपने इसी वातावरण में कार्य करना पड़ता है।

(6) भौगोलिक सीमा - उद्यमशील कार्य के बाह्य वातावरण की एक भौगोलिक सीमा होती है। यह सीमा प्रत्येक उद्यमी के कार्यक्षेत्र के अनुसार विस्तृत एवं संकुचित हो सकती है।

(7) गतिशील घटक - उद्यमशील कार्य का वातावरण घटकों से बनता है। ये घटक आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक, सांस्कृतिक तकनीकी इत्यादि प्रकृति के होते हैं। ये घटक परिवर्तनशील तथा गतिशील होते हैं न कि स्थिर।

(8) चुनौतियाँ एवं बाधाएँ - उद्यमी को अपने वातावरण में कार्य करने तथा उसकी अपेक्षाओं को संतुष्ट करने में अनेक चुनौतियाँ एवं बाधाएँ का सामना करना पड़ता है। उद्यमी इन्हीं चुनौतियों एवं बाधाएँ की बीच उपयुक्त अवसरों का खोज करता है।

(9) उद्यमी भी वातावरण को प्रभावित करता है तथा कुछ सीमा तक स्वयं भी बाह्य वातावरण को प्रभावित करता है।

उद्यमकर्ता बाह्य वातावरण का उद्यमिता एवं उद्यमी के व्यवहार पर बहुत प्रभाव होता है क्योंकि उद्यमी बाह्य वातावरण से ही अपने लिए आवश्यक संसाधन एवं सूचनाएँ बाजार से प्राप्त करता है। इसके अलावा यह वातावरण उद्यमी के लिए अनेक अवसर एवं चुनौतियाँ भी प्रदान करता है। यह उसके लिए अनेक प्रकार के अवसर, भय एवं बाधाएँ भी उत्पन्न करता है। इसी के कारण बाह्य वातावरण किसी भी उद्यमी को अपने अनुरूप ढालने एवं कार्य करने के लिए विवश कर सकता है।